

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, लखनऊ सभाग

विषय: हेन्टो 'आ' (002)	प्रो-बोर्ड परीक्षा 2025-26	कक्षा: दसवीं
समय: 3 घण्टे	अंक योजना (सेट -2)	पूरोक्ति: 80
सामान्य निर्देश:		
(1) अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। (2) इस प्रश्नपत्र में वर्णनात्मक प्रश्न हैं। अतः अंक योजना में दिए गए उत्तर अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।		
	खण्ड - क (अपठित बोध)	14
प्रश्न 1	नेम्नालोकेत गद्याश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारेत पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लोखेए।	7
(i)	(ग) कथन 2 और 4 सही हैं।	1
(ii)	(ग) कथन सही है और कारण कथन को सही व्याख्या करता है।	1
(iii)	(ख) ऑनलाइन फ्रांड और साइबर-बुलेग	1
(iv)	डिजिटल निरक्षरता को दूर करने के लिए गद्याश में सहाए गए दो उपाय हैं: 1. स्कलों के पाठ्यक्रम में डिजिटल नागरिकता और ऑनलाइन सरकार जैसे विषयों को शामिल करना। 2. परिवार के बड़े-बजर्गों को डिजिटल दुनिया के खतरों से आगाह करना और उन्हें सुरक्षित तरीके से तकनीक का उपयोग सिखाना।	2
(v)	लेखक ने इटरनेट को एक 'शोकेतशालो उपकरण' कहा है क्योंकि यह सचना को हमारो उगालेयो पर उपलब्ध कराता है, जिससे ज्ञान और संचार के अनंत द्वारा खुलते हैं। यदि इसका विवेक और जिम्मेदारी से उपयोग किया जाए, तो यह व्यक्ति और समाज, दोनों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।	2
प्रश्न 2	नेम्नालोकेत काव्याश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारेत पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लोखेए।	7
(i)	(ग) कथन सही है और कारण कथन को सही व्याख्या करता है।	1
(ii)	(ग) नालो और कूड़े के ढेरों के पार, एक बदबूदार टोले में	1
(iii)	(ख) केवल 1 और 2 सही हैं।	1
(iv)	काव्याश में गदगो/बदबू और खुशबू/सुगंध के दो परस्पर विरोधी व्ययों को दर्शाया गया है। इस विरोधाभास के माध्यम से कवि यह कहना चाहता है कि जो लोग समाज के लिए सौंदर्य और सुगंध का सजन करते हैं, वे स्वयं अभावग्रस्त और नारकीय जीवन जीने को विवश हैं। यह समाज की गंभीर विषमता पर एक मार्मिक टिप्पणी है।	2
(v)	कारोगरों के हाथों को 'उभरो नसोवाले', 'गदे कट-पेटे' और 'ज़ख्म से फटे हए' जैसी दशा उनको अत्यत गरीबी, कठिन परिश्रम और शोषित सामाजिक-आर्थिक स्थिति की ओर संकेत करती है। इससे पता चलता है कि वे न्यूनतम सुविधाओं के बिना, अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में काम करने के लिए मजबूर हैं।	2
	खण्ड - ख (व्यावहारिक व्याकरण)	16
प्रश्न 3	निरेशानसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारेत पाच प्रश्नों में से केन्हों चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए।	4x1=4
(i)	वह बाजार जाकर फल खरोदकर लाया।	
(ii)	बारेश हुइ और मोर नाचने लगा।	
(iii)	वेशषण उपवाक्य	

(iv)	जब हालदार साहब उधर से गुजरे, तब उन्हे मूर्ते में कुछ अतर देखाइ देया।	
(v)	(ख) पारेश्रमो व्याकेत को सभी पसद करते हैं।	
प्रश्न 4	नेदेशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाच प्रश्नों में से केन्हों चार प्रश्नों के उत्तर लोखेए।	4x1=4
(i)	बालगांबेन भगत द्वारा प्रभांतेया गाइ जातो थो।	
(ii)	नानों ने कहानों सुनाइ।	
(iii)	मरोज अब उठ नहों सकता।	
(iv)	पांक्षेयो से आकाश में उड़ा जाता है।	
(v)	कमेवाच्य	
प्रश्न 5.	नेदेशानुसार 'पद पारेचय' पर आधारित पाच प्रश्नों में से केन्हों चार के रेखाकेत पदों का पद-पारेचय लिखिए।	4x1=4
(i)	पुरुषवाचक सवेनाम, उत्तम पुरुष, बहुवचन, पुल्लेग/स्त्रोलेग, कतो कारक, 'जाएंगे' क्रेया का कतो।	
(ii)	गुणवाचक वेशेषण, बहुवचन, पुल्लेग, 'फूल' वेशष्य का वेशेषण।	
(iii)	वेस्मयांदेबोधक अव्यय, हषे/प्रशसा का भाव प्रकट कर रहा है।	
(iv)	रोतेवाचक क्रेयावेशेषण, 'चलता हैं' क्रेया को रोते बता रहा है।	
(v)	व्याकेतवाचक सज्जा, स्त्रोलेग, एकवचन, कमे कारक।	
प्रश्न 6.	नेदेशानुसार 'अलकार' पर आधारित पाच प्रश्नों में से केन्हों चार प्रश्नों के उत्तर लोखेए।	4x1=4
(i)	आतेशयोंकेत अलकार/मानवोकरण अलकार	
(ii)	आतेशयोंकेत अलकार	
(iii)	उत्प्रेक्षा अलकार	
(iv)	उपमा अलकार	
(v)	रूपक अलकार	
	खड - ग (पाठ्य पस्तक एवं परक पाठ्य पस्तक)	
प्रश्न 7	नेम्नालोखेत पाठेत गद्याश पर आधारित बहुवेकल्पीय प्रश्नों के सवाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।	5x1=5
(i)	(ग) 1, 2 और 3 सहो हैं।	1
(ii)	(घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों सहो हैं, तथा कारण (R) कथन (A) को सहो व्याख्या करता है।	1
(iii)	(ख) केसों टूटो-फूटो वस्तु के शेष भाग या खडहर।	1
(iv)	(ग) अपने बच्चों को अपनों आधिक विवशताओं का भागोदार बनाने को	1
(v)	(ख) अग्रेजो-हेदो शब्दकोश (वेष्यवार) का	1

प्रश्न 8	निर्धारित गदय पाठों के आधार पर निम्नालोक्षेत चार प्रश्नों में से किन्हों तोन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए।	3x2=6
(क)	बालगोबिन भगत अपनी पतोह को उत्सव मनाने के लिए इसालेए कहते हैं क्योंके उनको मान्यता थी कि मृत्यु एक आनंद का अवसरे है, जब आत्मा का परमात्मा से मिलन होता है। वे इसे शोक का नहीं, बल्कि उत्सव का समय मानते थे।	
(ख)	'नेताजों का चश्मा' पाठ में केष्टन को देशभौक्त का स्वरूप सामान्य और सहज था। वह एक साधारण व्यक्ति होते हुए भी देश के प्रति, विशेषकर नेताजी सभाष चंद्र बोस के प्रति, अपार श्रद्धा रखता था। उसका मूर्ति परं चश्मा लगाना इसी श्रद्धा और देशभौक्त का प्रतीक था।	
(ग)	'लखनवों अदाज़' पाठ में नवाब साहब का व्यवहार देखावटों और बनावटों जोवनशेलों का प्रतीक है, जेसे उचित नहीं ठहराया जा सकता। उनका खीरे को खाने की जगह केवल संघकर फैक देना उनके अहंकारी और यथार्थ से दूर रहने वाले स्वभाव को दर्शाता है, जो सामाजिक व्यवहार की वृष्टि से अनुचित है।	
(घ)	'सस्कृत' पाठ के अनुसार, सस्कृत आवृक्षार करने को योग्यता, भावना और प्रवृत्ति है। यह वह योग्यता है जो मनष्य से नए तर्थ्य का दर्शन कराती है। वहीं, सभ्यता संस्कृति का परिणाम है। हमारे खाने-पीने, पहनने-ओढ़ने के तरीके, लड़ने-मरने के ढंग, ये सब हमारी सभ्यता हैं	
प्रश्न 9.	निम्नालोक्षेत पाठेत काव्याश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सवोधक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।	5x1=5
(i)	(ख) 'के वे श्रोकृष्ण के प्रेम से अछूते रहकर बड़े अभागे हैं।	1
(ii)	(ग) यह बताने के लिए 'के उद्धव पर कृष्ण के प्रेम का कोइं प्रभाव नहो पड़ा।	1
(iii)	(क) उत्प्रेक्षा	1
(iv)	(घ) गुड़ से लेपटो चोटेयो से	1
(v)	(ग) प्रेम में एकानेष्ठता	1
प्रश्न 10.	निर्धारित कावेताओं के आधार पर निम्नालोक्षेत चार प्रश्नों में से किन्हों तोन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए।	3x2=6
(क)	'राम-लक्ष्मण-परशुराम सवाद' में परशुराम के क्रांति का मुख्य कारण भगवान शिव के धनुष का टूटना था। वे शिव को अपना आराध्य गुरु मानते थे और उनके धनुष का अपमान सहन नहीं कर सके।	
(ख)	'उत्साह' कावेता में कावे बादल से 'गरजने' के लिए इसालेए कहता है क्योंके गरजना क्रांति, विद्रोह और नव-चेतना का प्रतीक है। कवि समाज में परिवर्तन लाने के लिए एक ऐसी ही शक्तिशाली और क्रांतिकारी ऊर्जा का आहवान करना चाहता है, जो कोमलता से नहीं, बल्कि ओज से संभव है।	
(ग)	'यह दत्तारेत मुसकान' कावेता में कावे बच्चों को निश्छल मुसकान को 'मृतक मे भी डाल देगो जान' इसलिए कहता है क्योंकि उस मुसकान में इतनी जीवंतता, पवित्रता और आकर्षण है कि वह निराश और संवेदनहीन व्यक्ति के मन में भी आशा और जीवन का संचार कर सकती है।	
(घ)	'सगतकार' को 'मनष्यता' मुख्य गायक को सहारा देने और उसके गायन को प्रभावी बनाने के बाद भी स्वयं को पीछे रखने की भावना को कहा गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि वह अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य होते हुए भी मुख्य गायक की सफलता के लिए निःस्वार्थ भाव से त्याग करता है और श्रेय नहीं लेता।	
प्रश्न 11.	पूरक पाठ्य-पुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नालोक्षेत तोन प्रश्नों में से किन्हों दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए।	2x4=8
(क)	'माता का अचल' पाठ में वोणेत तत्कालीन समाज में सयक्त परिवार, बच्चों का प्रकांते से गहरा ज़डाव, पारंपरिक और सामूहिक खेल और माता-पिता का बच्चोंके साथ अधिक समय बिताना जैसी विशेषताएँ थीं। आज के पारिवारिक परिवेश में एकल परिवार, तकनीक पर निर्भरता, बच्चों का बाहरी दुनिया से कम संपर्क और माता-पिता की व्यस्तता जैसे अंतर स्पष्ट रूप से देखे जा सकते हैं।	
(ख)	'साना-साना हाथ जोड़े' पाठ में 'कटाओं' पर केसों दुकान का न होना एक वरदान इसालेए कहा गया है क्योंकि दुकानों के न होने से वह स्थान अभी भी व्यावसायिक पर्यटन की मार से बचा हआ है और उसका प्राकृतिक सौंदर्य अक्षण है। आज के पर्यटन स्थल दुकानों, होटलों और भीड़-भाड़ के कोरण अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांति खोते जा रहे हैं। 'कटाओं' का pristine सौंदर्य इसी व्यावसायिकता के अभाव	

	का पारणाम है।	
(ग)	'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के आधार पर लेखक को लिखने के लिए दो बाते मुख्य रूप से प्रोत्तर करती हैं- पहली, आंतरिक विवशता, जो मन के भीतर से जानने और उसे व्यक्त करने की इच्छा से उत्पन्न होती है। दूसरी, बाहरी दबाव, जिसमें संपादक का आग्रह, प्रकाशक का तकाजा या आर्थिक आवश्यकता जैसी परिस्थितियाँ शामिल होती हैं। हालांकि, लेखक भीतरी विवशता से लिखे गए लेखन को ही सच्चा लेखन मानते हैं।	
	खण्ड घ (रचनात्मक लेखन)	20
प्रश्न 12.	नेम्नालोकेत तोन वेषयों में से किसी एक वेषय पर सकेत बेन्दुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लेखन अनुच्छेद-लेखन <ul style="list-style-type: none"> ● भूमिका: 1 अंक ● विषयवस्तु: 3 अंक ● निष्कर्ष: 1 अंक ● भाषा शुद्धता: 1 अंक 	1x6=6
प्रश्न 13.	किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखें। पत्र-लेखन <ul style="list-style-type: none"> ● प्रारूप (प्रारंभ और अंत की औपचारिकताएँ): 1 अंक ● विषयवस्तु: 3 अंक ● भाषा शुद्धता: 1 अंक 	1x5=5
प्रश्न 14.	नेम्नालोकेत में से किसी एक वेषय पर लगभग 80 शब्दों में लेखन कोजेए। स्ववृत्त लेखन ई-मेल <ul style="list-style-type: none"> ● प्रारूप: 1 अंक ● विषयवस्तु: 3 अंक ● भाषा शुद्धता: 1 अंक <ul style="list-style-type: none"> ● प्रारूप: 1 अंक ● विषयवस्तु: 3 अंक ● भाषा शुद्धता: 1 अंक 	1x5=5
प्रश्न 15.	नेम्नालोकेत में से किसी एक विषय पर लगभग 40 शब्दों में लेखन कोजेए। विज्ञापन लेखन संदेश लेखन <ul style="list-style-type: none"> ● रचनात्मक प्रस्तुति: 1 अंक ● विषयवस्तु: 2 अंक ● भाषा शुद्धता: 1 अंक <ul style="list-style-type: none"> ● प्रारूप: 1 अंक ● विषयवस्तु: 2 अंक ● भाषा शुद्धता: 1 अंक 	1x4=4